

फार्म

\*प्रथम नियुक्ति के समय अचल सम्पत्ति का विवरण, वर्ष २० ॥

1. कार्यकारी/कर्मचारी का (पूरा) नाम तथा उस सेवा का नाम, जिसमें वह हो शुद्धि अचल सम्पत्ति का विवरण 2. वर्तमान धारित पद अधीन वर्गी लीन  
 3. वर्तमान वेतन ..... अगली वेतनवृद्धि की तारीख अगस्त

| जिस पत्नी, उप-संगम, कानूनी तथा प्रथम का नाम, जिसमें सम्पत्ति विभाजित हो | संपत्ति का नाम तथा भीर |          | **वर्तमान मूल्य                     | यदि स्वयं के नाम पर न हो तो बतलाइये कि वह किसके नाम पर धारित है और उसका शासकीय कर्मचारी से क्या संबंध है | उसे किस प्रकार अर्जित किया गया<br>***खरोद, परदा, बंधक, विरासत, भेंट या अन्य किसी प्रकार से तथा अर्जन की तारीख और विरासत अर्जित की गई हो उसका नाम तथा भीर | संपत्ति से वार्षिक आय | अभिप्रेति   |
|---|------------------------|----------|-------------------------------------|--|--|-----------------------|---|
|   | गृह तथा अन्य भवन       | भूमि     |                                     |  |  |                       |   |
| (1)   | (2)                    | (3)      | (4)                                 | (5)  | (6)  | (7)                   | (8)   |
| <u>शुद्धि</u>   | <u>फ्लॉट</u>           | <u>X</u> | <u>1200000/-</u><br><u>(दस लाख)</u> | <u>-</u>   | <u>कृम मिश्रण द्वारा</u><br><u>(बैंक भूखंड)</u>  | <u>-</u>              | <u>अधिकांश पर सर्वम</u><br><u>निष्पत्ति कर रहा है</u> |

1. इस नाम में दो फाट दीजिए।  
 2. एसे मामलों में जहाँ मूल्य का सही-सही निर्धारण करना संभव न हो, वहाँ वर्तमान स्थिति के संदर्भ में लागू मूल्य बतलाया जाय।  
 3. इसमें अल्पकालीन परदे भी सम्मिलित हैं।  
 4. धारण: भारत-देश शासकीय सेवक (आचरण) नियम, 1959 के नियम 38(3) के अधीन प्रथम श्रेणी, द्वितीय श्रेणी तथा तृतीय श्रेणी सेवा के प्रत्येक सदस्य से यह अपेक्षित है कि वह सेवा में पहली नियुक्ति के समय और उसके बाद प्रत्येक चार-पहने की अवधि के परधान पद भोषण-पत्र भर कर प्रस्तुत करें और उसमें वह उसके स्वामित्व की तथा उसके द्वारा अर्जित अथवा उसे विरासत में मिली या उसके अपने नाम पर या उसके परिवार के किसी सदस्य के नाम पर या किसी अन्य व्यक्ति के नाम पर परदे या बंधक पर उसके द्वारा धारित समस्त अचल सम्पत्ति के भीर दें।

हस्ताक्षर [सुद्धि]  
 नाम शुद्धि अचल सम्पत्ति  
 पद अधीन वर्गी लीन